

धर्मशास्त्री पुं. (तत्.) धर्मशास्त्र का विद्वान, धर्म शास्त्रानुसार व्यवस्था देने वाला।

धर्मशील वि. (तत्.) धर्मानुसार आचरण करने वाला, धार्मिक प्रयो. राजा भोज धर्मशील व्यक्ति थे।

धर्मसंकट पुं. (तत्.) किसी कार्य के उचित-अनुचित दोनों जान पड़ने से उत्पन्न दुविधा की स्थिति, उभय-संकट प्रयो. सचिन जैसे महान खिलाड़ी को टीम में न लिए जाने पर कंट्रोल बोर्ड धर्मसंकट में पड़ गया है।

धर्मसंगीति स्त्री. (तत्.) 1. धर्म पर विचार-विमर्श के लिए बुलाई गई सभा 2. बौद्धों का धर्म सम्मेलन प्रयो. बौद्धों की प्रथम धर्म संगीति राजागृह में हुई थी 3. संगायन।

धर्मसंघ पुं. (तत्.) किसी धर्म के अनुयायियों का संघ, धर्म सभा।

धर्म-संहिता स्त्री. (तत्.) धर्म संबंधी विधि-विधानों का समुच्चय ग्रंथ जिसमें धार्मिक विषय प्रतिपादित किए गए हों उदा. भारत में मनु तथा याज्ञवल्क्य जैसे ऋषियों ने धर्म संहिताओं की रचना की थी।

धर्मसभा स्त्री. (तत्.) 1. न्यायालय, कचहरी 2. जहाँ धार्मिक विषयों पर चर्चा की जाये।

धर्म-पुस्तक स्त्री. (तत्.) दे. धर्मग्रंथ, धर्म संबंधी पुस्तकें।

धर्मभिक्षुक पुं. (तत्.) धर्मार्थ भिक्षा माँगने वाला (मनुस्मृति में नौ प्रकार के भिक्षुक गिनाए गए हैं।

धर्मविवेचन पुं. (तत्.) 1. धर्म संबंधी चिंतन 2. धर्म-अधर्म का विचार 3. अच्छे-बुरे का विचार 4. दोषी अथवा निदोष होने का विचार।

धर्मचारी पुं. (तत्.) तपस्वी, संन्यासी वि. धर्मानुकूल आचरण करने वाला।

धर्मपरायणता स्त्री. (तत्.) धर्मपरायण होने की अवस्था या भाव।

धर्मपाल पुं. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जो धर्म की रक्षा करता हो 2. दंड या सजा जिसके आधार पर धर्म

का पालन कराया जाता है 3. राजा दशरथ के एक मंत्री वि. धर्म का पालन या रक्षा करने वाला।

धर्मसार पुं. (तत्.) 1. धर्मतत्त्व 2. पुण्यकर्म, उत्तम कर्म।

धर्मसारी स्त्री. (तत्.) धर्मशाला।

धर्मसुत पुं. (तत्.) युधिष्ठिर।

धर्मसू पुं. (तत्.) 1. धर्म प्रेरक 2. धूम्याट पक्षी।

धर्मसूत्र पुं. (तत्.) जैमिनी द्वारा लिखा गया धर्म-निर्णय संबंधी एक ग्रंथ।

धर्मसेतु पुं. (तत्.) 1. धर्म रक्षक 2. शिव।

धर्मसेवन पुं. (तत्.) धर्म का पालन या धर्माचरण।

धर्मस्थ वि. (तत्.) धर्म में स्थित पुं. धर्माध्यक्ष, न्यायाधीश।

धर्मस्व पुं. (तत्.) धार्मिक कार्य करने वाली संस्था वि. धर्म कार्यों के लिए समर्पित (धन आदि)।

धर्मस्वामी पुं. (तत्.) धर्मस्वामिन्, बुद्ध।

धर्मांतर पुं. (तत्.) भिन्न धर्म।

धर्मांतरण पुं. (तत्.) धर्म परिवर्तन अपना धर्म छोड़ भिन्न धर्म स्वीकार करना प्रयो. भिन्न धर्म की स्त्री से विवाह करने के लिए उसे अपना धर्मांतरण करना पड़ा।

धर्मांध वि. (तत्.) कट्टर धार्मिक, अपने धर्म को छोड़ अन्य धर्मों के लिए असहिष्णु प्रयो. वह इतना धर्मांध था कि अपने धर्म की जरा- सी आलोचना उसे आग-बबूला कर देती थी।

धर्मांशु पुं. (तत्.) सूर्य।

धर्मागम पुं. (तत्.) धर्मग्रंथ।

धर्माचरण पुं. (तत्.) 1. धर्म के अनुसार आचरण करना प्रयो. भौतिक प्रलोभन उन्हें कभी भी धर्माचरण से डिगा नहीं पाया 2. पुण्य कृत्य।

धर्माचार्य पुं. (तत्.) धर्म-शिक्षा देने वाला गुरु उदा. उस सभा में देश के भिन्न-भिन्न कोनों से धर्माचार्य पधारे।